# अंक योजना
## प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
## कक्षा-दसवीं
## हिंदी ( पाठ्यक्रम-'अ' )

**समय: 3 घंटे** **पूर्णांक - 100**

| प्र.सं. | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक |
|---|---|---|
| | **खण्ड 'क'** | |
| 1. | **अपठित गद्यांश** - | |
| (i) | स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है कथन का अभिप्राय है कि यदि हमारा शरीर स्वस्थ है तभी मन में भी अच्छे और पवित्र भाव एवं विचार उत्पन्न होंगे। | 1 |
| (ii) | जीवन का आधार शारीरिक श्रम है क्योंकि श्रम ही जीवन की पहचान है और इसके बिना व्यक्ति का जीवन निष्क्रिय हो जाता है। | 1 |
| (iii) | गांधी जी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम हम इस रूप में भोग रहे हैं कि न गरीबी कम होने में आती है न ही बेरोज़गारी/अपराधों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। | 1 |
| (iv) | श्रमशील समाज के व्यक्ति सदैव उन्नत एवं समृद्धिभरा जीवन जीते हैं। | 1 |
| (v) | श्रम का महत्व यह है कि इससे मन को संतुष्टि और शरीर को सुख की प्राप्ति होती है, इसका परिणाम सदैव सुखदायी होता है। इसके दो लाभ हैं कि इससे शरीर कभी रोगग्रस्त नहीं होता और सदैव व्यक्ति आत्मविश्वासी बना रहता है। 1+1 | |
| (vi) | शिक्षित वर्ग की बेकारी का कारण यह है कि आज वह कठिन श्रम के कार्य करना उचित नहीं समझता उसे हेय दृष्टि से देखता है। | 1 |
| (vii) | 'दिन अस्त और मज़दूर मस्त' से यह अभिप्राय है कि दिन भर कठोर परिश्रम करने वाले व्यक्ति को ही वास्तविक सुख एवं संतुष्टि का अनुभव होता है। | 1 |
| (viii) | (i) प्रत्यय-ता | ½ |
| | (ii) प्रत्यय-इत | ½ |
| (ix) | शारीरिक, सामाजिक (½ + ½) | 1 |
| (x) | श्रमशील व्यक्ति में स्वाभिमान, स्वावलंबन आत्मविश्वास आदि गुण आ जाते हैं। | 1 |
| (xi) | श्रमशीलता : सुदृढ़ जीवन का आधार। | 1 |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| 2. | (i) इस कविता में लहरों को नृत्य करती बालाओं/जल कन्याओं / कुसुमावलि / तारावलि और एक युवती के रूप में चित्रित किया गया है।<br>[किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है।] (½ + ½) | 1 |
| | (ii) सागर लहरों पर सूर्य किरणों की लालिमा पड़ने से सौ सौ इंद्रधनुषों की शोभा भी उसके सम्मुख फीकी पड़ जाती है। | 1 |
| | (iii) सागर की लहरें अपनी मधुर ध्वनि, अपनी चंचलता एवं अनुपम सौन्दर्य के कारण सभी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। | 1 |
| | (iv) प्रात:काल के समय लहरें, उल्लसित होकर किनारों का स्पर्श करती है, 'पुष्पों के समान खिल उठती हैं।' | 1 |
| | (v) वे पंक्तियाँ हैं - | 1 |
| | तन पर शोभित नीला दुकूल<br>हैं छिपे हृदय में भाव फूल | |
| | (vi) जल कन्याओं के समान/कुसुमावलि के समान/नव तरु दल के समान/तारावलि सी/युवती के समान | 1 |
| | किसी एक का भी वर्णन छात्र कर सकता है। | |
| | (vii) इस पंक्ति से कवि ने यह संदेश दिया है कि अनेक लहरें समुद्र से भिन्न होते हुए भी उनसे अभिन्न हैं इसी प्रकार इस सृष्टि के अनेक प्राणी भिन्न होते हुए भी उसी विराट का ही एक अंश हैं। | 2 |
| | अथवा | |
| | (i) विश्वास और सत्य जैसे जीवन-मूल्यों की तुलना कवयित्री ने टूटे फूटे कनस्तर व डिब्बों तथा टूटे हुए बरतनों से की है। | 1 |
| | (ii) उपलब्धियों के लिए कवयित्री ने रद्दी अखबारों की ढेरी और टूटे फूटे शीशे व टीन इन दो उपमानों का प्रयोग किया है। | 1 |
| | (iii) युग की उपलब्धि अर्थात् जो कुछ प्राप्त करते हैं कारखाना अर्थात् संसार। | 1 |
| | (iv) कविता का मूल भाव यह है कि पुराने जीवन मूल्य वर्तमान समय में अपनी सार्थकता खो बैठे हैं। | 2 |
| | (v) प्रस्तुत पंक्तियों का मूल भाव यह है कि जो कुछ भी हम अपने समय अपने युग में प्राप्त करते हैं साहित्यकार और युग-निर्माता उसी को नए रूप में ढालते हैं और जनता को वही मान्य होता है। | 2 |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | (vi) कविता का उचित शीर्षक है - युग की उपलब्धियाँ। | 1 |
| | **खण्ड 'ख'** | |
| 3. | **निबंध-लेखन** | |
| (क) | (i) भूमिका | 1 |
| | (ii) विचार बिंदुओं का विषयानुरूप विवेचन | 6 |
| | • वनः प्रकृति द्वारा दिया गया अनमोल उपहार<br>• मनुष्य अपनी समस्त आवश्यकताओं के लिए प्रकृति पर निर्भर<br>• प्रकृति व मनुष्य का अटूट संबंध<br>• अपने स्वार्थ के लिए वनों का अंधाधुंध दोहन<br>• पर्यावरण संबंधी प्रमुख समस्याएँ<br>• इन समस्याओं का प्रमुख कारण<br>• विद्यार्थी के परिवेश के सभी उदाहरण स्वीकार्य हों। | |
| | (छह बिन्दुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँगे तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ।) | |
| | (iii) उपसंहार | 1 |
| | (iv) भाषा-शैली | 2 |
| (ख) | विचार-बिंदु<br>• कंप्यूटर की उत्पत्ति<br>• इसकी उत्पत्ति के कारण<br>• कंप्यूटर की संरचना<br>• कंप्यूटर के घटक<br>• इससे होने वाले लाभ - कई घंटों का काम मिनटों में<br>• इसके दुष्प्रभाव-नेत्रों पर दुष्प्रभाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ<br>• कंप्यूटर विश्व की तीसरी आँख<br>• उपसंहार | |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | (छह बिन्दुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँगे तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ।) | |
| (ग) | खेलों का महत्व - तन्दुरूस्ती हज़ार नियामत स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास, जीवन में प्रतिस्पर्धा एवं प्रतियोगिता की भावना, स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास<br>जीवन कौशलों की शिक्षा<br>विश्व स्तरीय खेलों का आयोजन | |
| 4. | **पत्र-लेखन** | 5 |
| | (i) पत्र औपचारिकताओं के लिए | 1½ |
| | (ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री<br>• दैनिक कार्यों में व्यवधान<br>• जीवन रूका सा प्रतीत होना<br>• आवश्यक संदेश समय पर उपलब्ध न हो पाना | 2½ |
| | (iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति | 1 |
| | अथवा | |
| | (i) पत्र औपचारिकताओं के लिए | 1½ |
| | (ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री<br>• वृक्षारोपण कार्यक्रम का संचालक बनाया जाना<br>• समय, तिथि निर्धारित करना<br>• मुख्य अतिथि का चुनाव<br>• आमंत्रित करना<br>• स्थान निश्चित करना<br>• पौधे मंगवाना<br>• विद्यार्थियों की टीम बनाना | 2½ |
| | (iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति | 1 |
| उत्तर<br>5. | (i) (क) पढ़ता है - सकर्मक क्रिया / संयुक्त क्रिया। | 2 |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | (ख) गा रही है – अकर्मक क्रिया / संयुक्त क्रिया। | |
| | (ii) अव्यय | 2 |
| | (क) के सामने = बच्चे स्कूल के सामने खड़े हैं। | |
| | अथवा | |
| | बच्चो! पुस्तक निकालो और पढ़ना आरंभ करो। | |
| | (ख) विशेषण शब्द – गुलाबी | |
| | भेद – गुणवाचक विशेषण | |
| 6. | पद-परिचय | |
| | (क) दिल्ली – व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग। | 2 |
| | (ख) वह – पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, कर्त्ताकारक, 'लिखता है' क्रिया का कर्त्ता। | |
| | अथवा | |
| | (ग) पढ़ेगा – सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भविष्यत्काल, कर्तृवाच्य, | |
| 7. | (iv) वाक्य परिवर्तन | 3 |
| | (क) मिश्रवाक्य – तुम वहाँ चले जाओ, जहाँ बस रुकती है। | |
| | (ख) सरलवाक्य – बच्चा खाना खाकर सो गया। | |
| | (ग) सरल वाक्य। | |
| 8. | (v) वाच्य परिवर्तन | 3 |
| | (क) भाववाच्य – बच्चे से पढ़ा नहीं जाता। | |
| | (ख) कर्मवाच्य – अमर द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया जाता है। | |
| | (ग) कर्तृवाच्य – छात्र कक्षा में पढ़ते हैं। | |
| 9. | (vi) अलंकार | 3 |
| | (क) रूपक अलंकार। | |
| | (ख) अनुप्रास अलंकार। | |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | (ग) उपमा अलंकार। | |
| | **खंड 'घ'** | |
| 10. | **किसी एक काव्यांश पर आधारित उत्तर अपेक्षित हैं:** | |
| (क) | (i) परशुराम अपने आपको बड़ा भारी योद्धा मानते हैं। बार-बार फरसा दिखाकर डराना चाहते हैं। फूँक मारकर पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। (1+1) | 2 |
| | (ii) परशुराम भृगुकुल के वंशज हैं। उन्होंने यज्ञोपवीत जनेऊ धारण किया है। इस कारण से लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहे हैं। (1+1) | 2 |
| | (iii) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय - इन पर वीरता नहीं दिखाई जाती। (1+1) इन्हें मारने से पाप लगता है और इनसे हार जाने पर अपकीर्ति होती है। | 2 |
| (ख) | (i) शिशु के नए-नए निकले दाँतों से झलकती मुसकान को दंतुरित मुसकान कहा है। | 2 |
| | (ii) कवि घर से बाहर दूसरे स्थान पर रहने के कारण प्रवासी, शिशु के लिए अनजान तथा शिशु ने पहली बार देखा इसलिए वह अतिथि है। | 2 |
| | (iii) जब बच्चा तिरछी निगाह से कवि की ओर देखता है उसकी निगाहें कवि की निगाहों से मिलती है तब उसकी दंतुरित मुसकान सबसे सुंदर लगती है। | |
| 11. | **कोई तीन उत्तर अपेक्षित हैं :** (3+3+3) | 9 |
| (क) | मैं सूरदास के समान उद्धव को भाग्यशाली नहीं मानती। उद्धव कृष्ण के समीप रहकर भी उनके प्रेम से अनासक्त रहे। उद्धव ज्ञान और योग के समर्थक थे उनका मन स्थिर नहीं था। कृष्ण के प्रेम रस में डूबी गोपियों ने अपने जीवन को सार्थक बनाया। | 3 |
| | (अन्य तर्कों पर भी अंक दिए जाएं) | |
| (ख) | 'अट नहीं रही है' कविता फागुन की मादकता को प्रकट करती है। सभी ऋतुओं का लोगों के मन तथा जीवन पर प्रभाव पड़ता है लेकिन फागुन का प्रभाव सबसे अधिक पड़ता है। इसकी शोभा सर्वव्यापक दिखाई पड़ती है। सारा वातावरण सुगंध से भर जाता है। यह वातावरण मन में कल्पना और उत्साह का संचार करता है। सृष्टि का कण-कण उत्साह व उमंग से भर जाता है। फागुन मौज-मस्ती तथा उमंग लेकर आता है। मुरझाए हुए मन तथा चेहरे खिल जाते हैं। | 3 |
| (ग) | मैं अपने जीवन में संगतकार की भूमिका निभाना चाहूँगी। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। कोई भी अकेला रहकर श्रेष्ठ स्थान पर नहीं पहुँच सकता। मानवता यही संदेश देती है कि सहयोग की भावना से ही कार्य में सफलता मिलती है। | 3 |
| | (अन्य तर्कों पर भी पूरे अंक दिए जाए) | |
| (घ) | जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिति है। सुख में आशा, आकांक्षा, चाँदनी और सुखद कल्पनाएँ | |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | हैं तथा दुख में निराशा, अंधकार और अप्रिय घटनाएँ हैं। सुख तथा दुख जीवन के दो पहलू हैं कभी दुख तथा कभी सुख का सामना करना पड़ता है। विगत के सुख को यादकर वर्तमान के दुख को और गहरा करना उचित नही। विगत की सुखद काल्पनिकता से चिपके रहकर वर्तमान से पलायन की अपेक्षा कठिन यथार्थ को पूजना ज्यादा अच्छा है। | 3 |
| 12. | **दो काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -** | 5 |
| (क) | (i) देव, रीतिकाल | |
| | (ii) कृष्ण के राजसी रूप सौंदर्य का वर्णन है | 1 |
| | (iii) ब्रजभाषा | 1 |
| | (iv) सवैया छंद | 1 |
| | (v) 'कटि किंकिनि कै', 'पट-पीत', 'हिये हुलसै', 'जै जग' (इनमें से किसी एक उदाहरण पर अंक दिए जाए)<br>जग-मंदिर-दीपक | ½<br>½ |
| (ख) | (i) बादल | 1 |
| | (ii) आह्वान गीत | 1 |
| | (iii) नाद-सौंदर्य | 1 |
| | (iv) संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली | 1 |
| | (v) भाषा अलंकृत है, तत्सम शब्दावली का प्रयोग (½ + ½) | 1 |
| 13. | **दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -** | |
| (i) | फ़ादर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की इच्छा रखते थे। हिंदी वाले जब हिंदी की उपेक्षा करते तो फ़ादर को सबसे अधिक दुख होता था। | 2 |
| (ii) | फ़ादर हिंदी-प्रेमी थे। (1+1)<br>वे संवेदनशील थे।<br>वे शांत स्वभाव के थे<br>(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है।) | 2 |
| (iii) | बड़े से बड़े दुख में भी फ़ादर के मुख से निकले सांत्वना भरे शब्द जादू का काम करते। जब लेखक की पत्नी और पुत्र की मृत्यु हुई तब फ़ादर द्वारा कहे गए शब्द - 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह' नई प्रेरणा देने वाले थे। फ़ादर के मुख से निकले शब्द मन को शांत करते। | 2 |
| (ख) | (i) मुहर्रम, उस दिन खाँ साहब आठ किलोमीटर तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते। कोई | |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | राग नहीं बजता। मुहर्रम के महीने में शोक मनाते हैं। (1+1) | 2 |
| | (ii) मुहर्रम के दिनों में पूर्ण दस दिनों का शोक मनाया जाता है। खाँ साहब के परिवार का कोई व्यक्ति न शहनाई बजाता, न ही संगीत कार्यक्रम में हिस्सा लेता। इन दस दिनों में से | |
| | आठवाँ दिन विशेष है। इस दिन राग-रागिनियों को बजाने की मनाही है। | 2 |
| | (iii) खाँ साहब श्रेष्ठ शहनाई वादक थे।<br>वे बड़े कलाकार थे।<br>वे संवेदनशील थे।<br>वे धार्मिक थे।<br>(किन्हीं दो विशेषताओं पर अंक दिए जाएं।) | |
| 14. | **किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (3+3+3) | 9 |
| | **(प्रत्येक उत्तर में तीन बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित है)** | |
| (क) | स्त्रियों को पढ़ाना अनिवार्य है। स्त्री का अपना व्यक्तित्व है जो शिक्षा से और खिलेगा। स्त्री बराबरी के साथ समाज के हर काम में हिस्सा ले पाएगी और आज़ाद महसूस करेगी! स्कूलों को इस लायक बनाया जाये कि लडकियाँ अधिक संख्या में आराम से पढाई कर सकें<br>लडकियों के लिए विशेष सुविधाओं का इंतजाम! पाठ्यक्रम और किताबों में भी लड़कियों का प्रतिनिधित्व | |
| | (अन्य तर्कों पर भी अंक दिए जाएं) (1+2) | 3 |
| (ख) | (i) लेखक को ज्यादा दूर नहीं जाना था। | |
| | (ii) वे एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना चाहते थे। | |
| | (iii) वे खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखना चाहते थे। | |
| | (iv) गाड़ी चलने वाली थी। | |
| (ग) | (i) नेता जी की मूर्ति को देखकर लोगों में देश-प्रेम की भावना उत्पन्न होती। | 3 |
| | (ii) मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो...' नारे याद आने लगते।<br>नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। | |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| | (iii) मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है वह उसकी असंस्कृति है।<br>जो कार्य मानव कल्याण के लिए किया जाता है वही संस्कृति कहलाती है। | 3 |
| 15. | | |
| (क) | (i) माँ अनपढ़ थीं।<br>(ii) वे पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य समझतीं।<br>(iii) वे बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश को पूरा करतीं।<br>(iv) बच्चों की ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर सहज भाव से स्वीकार करतीं।<br>(v) उन्होंने जिंदगी भर कुछ माँगा नहीं, केवल दिया ही दिया।<br>(किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख करने पर पूरे अंक दिए जाएं) | 3 |
| | (ख) जो सुस्त और बोदे-से होते हैं उन पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। (1+1) | 2 |
| 16. | **किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है** - | 4 |
| (क) | सिक्किम सुंदर प्रदेश है। चारों तरफ घाटियाँ ही घाटियाँ हैं। सभी घाटियाँ फूलों से लदी हैं पाईन और धूपी के खूबसूरत नुकीले पेड़ हैं। वहाँ के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं। यहाँ के लोग परिश्रमी होते हैं। पहाड़ी औरते बहुत परिश्रम करती हैं। उन्हें पत्थर तोड़ने पड़ते हैं वे शरीर से कोमल पर हाथों में कुदाल और हथौड़े होते हैं। औरतों की पीठ पर बँधी टोकरी में उनके बच्चे बंधे होते हैं। पहाड़ी जीवन कठोर होता है। बच्चे स्कूल जाने के साथ-साथ शाम के समय मवेशी चराते हैं। जंगल से लकड़ियों के भारी-भारी गट्ठर ढोकर लाते हैं।<br>(किन्हीं चार बिंदुओं के उल्लेख पर पूरे अंक दिए जाएं।) | |
| (ख) | दुलारी कहानी की मुख्य पात्रा -<br>(i) मधुर गायिका - दुलारी का स्वर बहुत मधुर है। वह कजली गाने में निपुण।<br>(ii) प्रतिभाशाली कवयित्री - मधुर आवाज़ के साथ-साथ तीव्र बुद्धि। स्थिति के अनुसार पद तैयार कर सबको आश्चर्यचकित कर देती।<br>(iii) निडर एवं स्वाभिमानिनी - शारीरिक रूप से हृष्ट-पुष्ट, सुख-सुविधा देने वाले फेंकू सरदार की झाड़ू से खबर लेती है स्वाभिमान से जीवन व्यतीत करती।<br>(iv) सच्ची प्रेमिका - टुन्नू की मृत्यु का शोक मनाती है उसके द्वारा दी गई खद्दर की साड़ी भी पहनती है। (1+1+1+1) | |

| प्र.सं. | संभावित उत्तर-बिन्दु | अंक |
|---|---|---|
| 17. | **किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं** - (2+2+2)<br>(क) किसी भी दृश्य या घटना को देखकर या सुनकर मन के भीतर जो छटपटाहट होती है वही भीतरी विवशता है जब तक कवि या लेखक उसे शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त नहीं करता तब उसे शांति नहीं मिलती। लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए हिरोशिमा पर लिखी कविता की चर्चा की।<br>(ख) रोजगार मंद पड़ गया। वह तीज़ पर बनारसी साड़ी जरूर दिलाएगा।<br>(ग) सन् 1942 में जिन बच्चों ने अपना बलिदान दिया, उन बच्चों का मान-सम्मान जॉर्ज पंचम से भी अधिक था।<br>(घ) बच्चे को माँ की शरण में प्रेम और शांति मिलती है। माँ के आँचल में आकर उसे यही महसूस होता है कि उसे सब मुसीबतों से छुटकारा मिल जाएगा।<br>(अन्य तर्क पर भी अंक दिए जाएँ) | 6 |